डा॰ गीरजा उराँव
एसोसिएट प्रो॰
R.m.c. सासाराम

बी॰ ए॰ पार्ट - III Hons
सत - 2019 - 20
विषय :- PSY Paper V

समाज मनोविज्ञान एवं मानव वंश विज्ञान (Social Psy. and Anthropology)

मानव वंशविज्ञान सम्पूर्ण मानव को विज्ञान है। उसमें जैविक सामाजिक तथा सांस्कृतिक पहलुओं का समावेश रहता है। दूसरे शब्दों में मानव वँश विज्ञान मनुष्य के शारीरिक स्वरूप, उसकी जातीय विशेषताएँ एवं सांस्कृतिक जीवन का क्रमबद्ध अध्ययन किया जाता है। मानव वंश वैज्ञानिक संस्कृति के ढाँचा (Pattern of culture) का अध्ययन करते हैं। उसके क्षेत्र के अन्तर्गत लोक रीतियाँ, प्रथाओं रीति-रिवाज, परम्पराओं एवं आदिम जाति की समस्याएँ आदि चली आती है।

परन्तु समाज मनोविज्ञान व्यक्ति का अध्ययन सामाजिक सांस्कृतिक परिस्थिति में करता है। समाज मनोविज्ञान इस बात को पता लगाने का प्रयास करता है कि सामाजिक ढाँचा, सामाजिक संस्कृति तथा सांस्कृतिक भेद का प्रभाव व्यक्ति के जीवन

पर क्या पड़ता है। यह व्यक्ति के अनुभव और व्यवहार को किस प्रकार प्रभावित करता है। समाज मनोविज्ञान यह भी पता लगाने का प्रयास करता है। दुनियाँ भर के लोगों का मानव स्वभाव एक सदृश होता है। क्या संस्कृति एवं सांस्कृति भेद के चलते लोगों का व्यवहार भिन्न-भिन्न हुआ करता है। यह मानव वंश विज्ञान की तरह लोक रीति, सामाजि प्रथा, ढाँचा रीति-रिवाज आदि का अध्ययन नहीं करता बल्कि व्यक्ति पर पड़ने वाले इनके प्रभावों का अध्ययन करता है।

Scanned with CamScanner